A-0176

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

CKL–102

Certificate in Kumauni Language

(कुमाउनी लोक साहित्य)

Examination, December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न–पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कुमाउनी लिखित साहित्य का काल विभजन करते हुए प्रत्येक काल के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।

2. लोक का स्वरूप एवं प्रवृत्ति विषय पर निबन्ध लिखिए।

3. कुमाउनी लोकगाथाओं के भावपक्षीय वैशिष्ट्य पर निबन्ध लिखिए।

4. कुमाउनी मौखिक साहित्य में वर्णित समाज विषय पर निबन्ध लिखिए।

5. कुमाउनी के प्रमुख लोकगीतों का परिचय देते हुए विस्तार से लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भगनौल/बैर से क्या आशय है संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

2. उत्तर मध्य काल के प्रमुख कवि गौर्दा के रचनाकर्म पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

3. न्यौली गीत का परिचय देते हुए न्यौली गीत का उदाहरण लिखिए।

4. रीश रव्वै आपण घर बुद्धि ख्वै पराय घर, इस कहावत से सम्बन्धित लोककथा की विषय वस्तु बताइए।

5. भिमुवै की डाई करिए निसाफ, आज मैं कणी लैरो निसास

फांसी बणी गो मेर सौरास, भिमुवै की डाई करिए विचार

ज्योड़ी बाँधनु त्वे पर आज, नी फाड़ी मैले ब्या कि झगुलि

नि तौड़ मैले दातुली ज्योड़ी, कैले चलायो दान दहेज, कैले चलायो चेली बेवूण

उपरोक्त पंक्तियों का सन्दर्भ सहित अर्थ लिखिए।

6. कुमाउनी मौखिक साहित्य में वर्णित मानवेत्तर समाज पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

7. कुमाउनी फाग गीतों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8. कवि शिवदत्त सती शर्मा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

****